



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिन 2 मार्च 2	11.5.23	2	1-4

## • शोध छात्रा ममता को भौतिकी विषय में बेहतरीन प्रदर्शन पर सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार एचएयू को आईयूएसी से गैस सेंसर बनाने को लेकर अनुसंधान परियोजना स्वीकृत

सिटी रिपोर्टर • चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग में कार्यरत सहायक प्राध्यापक डॉ. विनय कुमार को 2डी नैनो पदार्थ संबंधित सेंसर को लेकर एक अनुसंधान परियोजना की स्वीकृति मिली है। दिल्ली के अंतर विश्वविद्यालय विवरण केंद्र आईयूएसी द्वारा यह स्वीकृति दी गई है।

वीसी प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि परियोजना के तहत बनाए जाने वाले गैस सेंसर की मदद से कृषि के क्षेत्र से उत्पन्न विभिन्न हानिकारक गैसें मिथेन, कार्बन-डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड आदि को मापने एवं पर्यावरण संरक्षण की निरंतर निगरानी के लिए प्रयोग किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि भौतिकी विभाग की शोध छात्रा ममता बुल्ला को भौतिकी विज्ञान के क्षेत्र



हकूवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज द्वारा डॉ. रीटा दहिया, सहायक प्राध्यापक विनय कुमार व शोध छात्रा ममता बुल्ला को बधाई दी

में पीएचडी स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन करने पर सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्रदान किया है। यह पुरस्कार राजस्थान के पिलानी शहर में बी.के. बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी संस्थान में दो दिवसीय रीसेंट एडवांसमेंट इन मैथमेटिकल एंड

अलाइड साइंस आरएमएस-2023 विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में दिया गया। इन दोनों उपलब्धियों पर कुलपति ने भौतिकी विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रीटा दहिया, सहायक प्राध्यापक विनय कुमार व शोध छात्रा ममता बुल्ला को बधाई

दी।

भौतिकी विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रीटा दहिया ने बताया कि वर्तमान में फसल अवशेष जलाने से मुख्यतः मिथेन, कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड आदि जैसी हानिकारक गैसों निकलती हैं, जो वायु प्रदूषण के साथ-साथ ग्लोबल वॉर्मिंग, मानव स्वास्थ्य सहित पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। उन्होंने बताया वर्तमान समय में कृषि के क्षेत्र में इन हानिकारक गैसों की मात्रा मापने के पर्याप्त यंत्र उपलब्ध नहीं है, जोकि चिंता का विषय है। सहायक प्राध्यापक डॉ. विनय कुमार ने बताया कि परियोजना के तहत बनाए जाने वाले गैस सेंसर की मदद से हानिकारक गैसों को मापा जा सकेगा ताकि स्वास्थ्य व पर्यावरण संबंधित चुनौतियों का हल निकाला जा सकेगा।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि न्यूज	11.5.23	9	4-8

### शोध छात्रा ममता बुल्ला को दिया गया सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार

# गैस सेंसर बनाने के लिए अनुसंधान की स्वीकृति

हरि न्यूज >> हिंसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग में कार्यरत सहायक प्राध्यापक डॉ. विनय कुमार को 2डी नैनो पदार्थ संबंधित सेंसर को लेकर एक अनुसंधान परियोजना की स्वीकृति मिली है। दिल्ली के अंतर विश्वविद्यालय विवरण केंद्र आईयूपीसी द्वारा यह स्वीकृति दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने बुधवार को बताया कि परियोजना के तहत बनाए जाने वाले गैस सेंसर की मदद से कृषि के क्षेत्र से उत्पन्न विभिन्न हानिकारक गैसें मिथेन, कार्बन-डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड आदि को मापने एवं पर्यावरण संरक्षण की निरंतर निगरानी के लिए



हिंसार। डॉ. रीटा दहिया, सहायक प्राध्यापक विनय कुमार व शोध छात्रा ममता बुल्ला को बधाई देते हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज।

प्रयोग किया जा सकेगा।

**ममता को मिला  
सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार**  
भौतिकी विभाग की शोध छात्रा

ममता बुल्ला को भौतिकी विज्ञान के क्षेत्र में पीएचडी स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन करने पर सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार राजस्थान के पिलानी शहर

### गैसों की मात्रा मापने के पर्याप्त यंत्र न होना चिंता का विषय : डॉ. दहिया

भौतिकी विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रीटा दहिया ने बताया कि वर्तमान में फसल अवशेष जलाने से मुख्यतः मिथेन, कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड आदि जैसी हानिकारक गैसें निकलती हैं, जोकि वायु प्रदूषण के साथ-साथ ग्लोबल वार्मिंग, मानव स्वास्थ्य सहित पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में कृषि के क्षेत्र में इन हानिकारक गैसों की मात्रा मापने के पर्याप्त यंत्र उपलब्ध नहीं हैं, जोकि चिंता का विषय है। सहायक प्राध्यापक डॉ. विनय कुमार ने बताया कि परियोजना के तहत बनाए जाने वाले गैस सेंसर की मदद से हानिकारक गैसों को मापा जा सकेगा।

में बीके बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी संस्थान में दो दिवसीय रीसेंट एडवांसमेंट इन मैथमेटिकल एंड अलाइड साइंस आरएएमएएस-2023 विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में दिया गया। इन दोनों उपलब्धियों पर कुलपति ने भौतिकी

विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रीटा दहिया, सहायक प्राध्यापक विनय कुमार व शोध छात्रा ममता बुल्ला को बधाई दी। इसके अलावा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने सभी का हौसला आफजाई की।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समय उजाला	11.5.23	2	3-6

उपलब्धि

फसलों से निकलने वाले हानिकारक गैसों की मात्रा मापने के लिए एचएयू बनाएगा सेंसर, कुलपित ने दी बधाई

# एचएयू को आईयूएसी ने गैस सेंसर बनाने को दी अनुमति

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के भौतिकी विभाग सहायक प्राध्यापक डॉ. विनय कुमार को 2डी नैनो पदार्थ संबंधित गैस सेंसर पर अनुसंधान परियोजना की स्वीकृति मिली गई है।

दिल्ली के अंतर विश्वविद्यालय विवरण केंद्र (आईयूएसी) ने स्वीकृति दी है। यह सेंसर फसल अवशेष से निकलने वाले हानिकारक गैसों के मापन के लिए बनाया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि परियोजना के तहत बनाए जाने वाले गैस सेंसर की मदद से कृषि के क्षेत्र से उत्पन्न विभिन्न हानिकारक गैसों मिथेन, कार्बन-डाइक्साइड, कार्बन मोनोक्साइड आदि को मापने में सुविधा होगी।

इससे पर्यावरण में हानिकारक गैसों के बढ़ते प्रभाव को भी मापा जा सकेगा। भौतिकी विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष



हिसार में डॉ. विनय कुमार व शोध छात्रा ममता को सम्मानित करते कुलपति प्रो. कांबोज।

डॉ. रीटा दहिया ने बताया कि वर्तमान में फसल अवशेष जलाने से मुख्यतः मिथेन, कार्बन डाइक्साइड, कार्बन मोनोक्साइड आदि जैसी हानिकारक गैसें निकलती हैं, जोकि वायु प्रदूषण के साथ-साथ ग्लोबल वॉर्मिंग, मानव स्वास्थ्य सहित पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। वर्तमान समय में कृषि

के क्षेत्र में इन हानिकारक गैसों की मात्रा मापने के पर्याप्त यंत्र उपलब्ध नहीं हैं।

सहायक प्राध्यापक डॉ. विनय कुमार ने बताया कि परियोजना के तहत बनाए जाने वाले गैस सेंसर की मदद से हानिकारक गैसों को मापा जा सकेगा ताकि स्वास्थ्य व पर्यावरण संबंधित चुनौतियों का हल निकाला जा सकेगा।

शोध छात्रा ममता को मिला सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार

विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग की शोध छात्रा ममता बुल्ला को भौतिकी विज्ञान के क्षेत्र में पीएचडी स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन करने पर सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार राजस्थान के पिलानी शहर में बीके बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी संस्थान में दो दिवसीय रीसेंट एडवांसमेंट इन मैथेमेटिकल एंड अलाइड साइंस आरएएमएएस-2023 विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में दिया गया। कुलपति डॉ. बीआर कांबोज ने भौतिकी विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रीटा दहिया, सहायक प्राध्यापक विनय कुमार व शोध छात्रा ममता बुल्ला को बधाई दी है। इसके अलावा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने सभी का हौसला अफजाई की।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

पजाब केसरी

दिनांक

11.5.23

पृष्ठ संख्या

4

कॉलम

1-6

# एच.ए.यू. को दिल्ली के आई.यू.ए.सी ने गैस सेंसर बनाने को लेकर अनुसंधान परियोजना की दी स्वीकृति

हिसार, 10 मई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग में कार्यरत सहायक प्राध्यापक डॉ. विनय कुमार को 2 डी नैनो पदार्थ संबंधित सेंसर को लेकर एक अनुसंधान परियोजना की स्वीकृति मिली है। दिल्ली के अंतर विश्वविद्यालय विवरण केंद्र आई.यू.ए.सी. द्वारा यह स्वीकृति दी गई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि परियोजना के तहत बनाए जाने वाले गैस सेंसर की मदद से कृषि के क्षेत्र से उत्पन्न विभिन्न हानिकारक गैसें मिथेन, कार्बन-डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड आदि को मापने एवं पर्यावरण संरक्षण की निरंतर निगरानी के लिए प्रयोग किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि भौतिकी विभाग की शोध छात्रा ममता बुल्ला को भौतिकी विज्ञान के क्षेत्र में पीएचडी स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन करने पर सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार राजस्थान के पिलानी शहर में बी.के. विडला इंस्टीट्यूट



डॉ. रीटा दहिया, सहायक प्राध्यापक विनय कुमार व शोध छात्रा ममता बुल्ला को बधाई देते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी संस्थान में 2 दिवसीय रीसेंट एडवॉंसमेंट इन मैथमेटिकल एंड अलाइड साइंस आर.ए.एम.ए.एस.-2023 विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में दिया गया।

भौतिकी विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रीटा दहिया ने बताया कि वर्तमान में फसल अवशेष जलाने से मुख्यतः मिथेन, कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड आदि जैसी हानिकारक गैसें निकलती हैं, जोकि वायु प्रदूषण के साथ-साथ ग्लोबल वॉर्मिंग, मानव स्वास्थ्य सहित पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। उन्होंने बताया वर्तमान समय में कृषि के क्षेत्र में इन हानिकारक गैसों की मात्रा मापने के पर्याप्त यंत्र उपलब्ध नहीं हैं, जोकि चिंता का विषय है।

सहायक प्राध्यापक डॉ. विनय कुमार ने बताया कि परियोजना के तहत बनाए जाने वाले गैस सेंसर की मदद से हानिकारक गैसों को मापा जा सकेगा ताकि स्वास्थ्य व पर्यावरण संबंधित चुनौतियों का हल निकाला जा सकेगा।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	11.5.23	2	4-6

### गैस सेंसर की मदद से हानिकारक गैसों को माप पाएंगे

जागरण संवाददाता, हिसार : गैस सेंसर की मदद से हानिकारक गैसों को मापा जा सकेगा ताकि स्वास्थ्य व पर्यावरण संबंधित चुनौतियों का हल निकाला जा सकेगा। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के भौतिकी विभाग में कार्यरत सहायक प्राध्यापक डा. विनय कुमार को 2डी नैनो पदार्थ संबंधित सेंसर को लेकर एक अनुसंधान परियोजना की स्वीकृति मिली है। दिल्ली के अंतर विश्वविद्यालय विवरण केंद्र आईयूसी द्वारा यह स्वीकृति दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि परियोजना के तहत बनाए जाने वाले गैस सेंसर की मदद से कृषि के क्षेत्र से उत्पन्न विभिन्न हानिकारक गैस मिथेन, कार्बन-डाइऑक्साइड,

#### परियोजना को स्वीकृति

- एचएयू को दिल्ली के आईयूसी द्वारा गैस सेंसर बनाने को लेकर अनुसंधान परियोजना की मिली स्वीकृति
- विश्वविद्यालय के भौतिकी विज्ञान विभाग की शोध छात्रा ममता बुल्ला को भौतिकी विषय में बेहतरीन प्रदर्शन करने पर मिला सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार

कार्बन मोनोक्साइड आदि को मापने एवं पर्यावरण संरक्षण की निरंतर निगरानी के लिए प्रयोग किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि भौतिकी विभाग की शोध छात्रा ममता बुल्ला को भौतिकी विज्ञान के क्षेत्र में पीएचडी स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन करने पर सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार

प्रदान किया गया है।

यह पुरस्कार राजस्थान के पिलानी शहर में बीके बिड़ला इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी संस्थान में दो दिवसीय रीसेंट एडवांसमेंट इन मैथमेटिकल एंड अलाइड साइंस आरएमएस-2023 विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में दिया गया। इन दोनों उपलब्धियों पर कुलपति ने भौतिकी विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डा. रीटा दहिया, सहायक प्राध्यापक विनय कुमार व शोध छात्रा ममता बुल्ला को बधाई दी। भौतिकी विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डा. रीटा दहिया और सहायक प्राध्यापक डा. विनय कुमार ने बताया कि वर्तमान समय में कृषि के क्षेत्र में इन हानिकारक गैसों की मात्रा मापने के पर्याप्त यंत्र उपलब्ध नहीं हैं, जोकि चिंता का विषय है।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक शिबपुत्र	11.5.23	4	7-8

**हकृवि को मिली गैस सेंसर बनाने की स्वीकृति**

**अब मापी जा सकेंगी मिथेन, कार्बन  
डाइऑक्साइड व मोनोऑक्साइड गैस**

हिसार, 10 मई (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग में कार्यरत सहायक प्राध्यापक डा. विनय कुमार को 2डी नैनो पदार्थ संबंधित सेंसर को लेकर एक अनुसंधान परियोजना की स्वीकृति मिली है। दिल्ली के अंतर विश्वविद्यालय विवरण केंद्र आईयूएसी द्वारा यह स्वीकृति दी गई है। कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने बताया कि परियोजना के तहत बनाए जाने वाले गैस सेंसर की मदद से कृषि के क्षेत्र से उत्पन्न विभिन्न हानिकारक गैसों

मिथेन, कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड आदि को मापने एवं पर्यावरण संरक्षण की निरंतर निगरानी के लिए प्रयोग किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि भौतिकी विभाग की शोध छात्रा ममता बुल्ला को भौतिकी विज्ञान के क्षेत्र में पीएचडी स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन करने पर सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्रदान किया गया है। इन दोनों उपलब्धियों पर कुलपति ने भौतिकी विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ रीटा दहिया, सहायक प्राध्यापक विनय कुमार व शोध छात्रा ममता बुल्ला को बधाई दी।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

उजाला समाचार

दिनांक

11.5.23

पृष्ठ संख्या

5

कॉलम

6-8

### एचएयू को दिल्ली के आई.यू.ए.सी. द्वारा गैस सेंसर बनाने को लेकर अनुसंधान परियोजना की मिली स्वीकृति

हिसार, 10 मई (विरेद वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग में कार्यरत सहायक प्राध्यापक डॉ. विनय कुमार को 2डी नैनो पदार्थ संबंधित सेंसर को लेकर एक अनुसंधान परियोजना की स्वीकृति मिली है। दिल्ली के अंतर विश्वविद्यालय विवरण केंद्र आईयूएसी द्वारा यह स्वीकृति दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि परियोजना के तहत बनाए जाने वाले गैस सेंसर की मदद से कृषि के क्षेत्र से उत्पन्न विभिन्न हानिकारक गैसें मिथेन, कार्बन-डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड आदि को मापने एवं पर्यावरण संरक्षण की निरंतर निगरानी के लिए प्रयोग किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि भौतिकी विभाग की शोध छात्रा ममता बुल्ला को भौतिकी विज्ञान के क्षेत्र में पीएचडी स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने पर सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्रदान किया



हकूचि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज डॉ. रीटा दहिया, सहायक प्राध्यापक विनय कुमार व शोध छात्रा ममता बुल्ला को बधाई देते हुए।

गया है। यह पुरस्कार राजस्थान के पिलानी शहर में बी.के. बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी संस्थान में दो दिवसीय रीसेंट एडवांसमेंट इन मैथमेटिकल एंड अलाइड साइंस आरएमएस-2023 विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में दिया गया। इन दोनों उपलब्धियों पर कुलपति ने भौतिकी विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रीटा दहिया, सहायक प्राध्यापक विनय कुमार व शोध छात्रा ममता बुल्ला को बधाई दी। इसके अलावा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय

के आधेष्ठा., डॉ. नीरज कुमार ने सभी का हौसला अफजाई की। भौतिकी विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रीटा दहिया ने बताया कि वर्तमान में फसल अवशेष जलाने से मुख्यतः मिथेन, कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड आदि जैसी हानिकारक गैसों निकलती है, जोकि वायु प्रदूषण के साथ-साथ ग्लोबल वॉर्मिंग, मानव स्वास्थ्य सहित पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। उन्होंने बताया वर्तमान समय में कृषि के क्षेत्र में इन हानिकारक गैसों की मात्रा मापने के पर्याप्त यंत्र उपलब्ध नहीं हैं, जोकि चिंता का विषय है। सहायक प्राध्यापक डॉ. विनय कुमार ने बताया कि परियोजना के तहत बनाए जाने वाले गैस सेंसर की मदद से हानिकारक गैसों को मापा जा सकेगा ताकि स्वास्थ्य व पर्यावरण संबंधित चुनौतियों का हल निकाला जा सकेगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहे	11.5.23	5	2-8

एचएयू को गैस सेंसर बनाने को लेकर अनुसंधान परियोजना की मिली स्वीकृति

## हानिकारक गैसों को मापने का यंत्र न होना चिंता का विषय: डॉ. दहिया

छात्रा ममता बुल्ला को भौतिकी विषय में बेहतरीन प्रदर्शन करने पर मिला सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार

हिसार(सच कहे न्यूज)।



डॉ. रीटा दहिया, सहायक प्राध्यापक विनय कुमार व शोध छात्रा को बधाई देते हकूवि के कुलपति।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग में कार्वरत सहायक प्राध्यापक डॉ. विनय कुमार को 2 डी गैस पदार्थ संबंधित सेंसर को लेकर एक अनुसंधान

परियोजना की स्वीकृति मिली है। विद्यरण केंद्र आईयएसी द्वारा यह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया

कि परियोजना के तहत बनाए जाने वाले गैस सेंसर की मदद से कृषि के क्षेत्र से उत्पन्न विभिन्न हानिकारक गैसों मिथेन, कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड आदि को मापने एवं पर्यावरण संरक्षण की निरंतर निगरानी के लिए प्रयोग किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि भौतिकी विभाग की शोध छात्रा ममता बुल्ला को भौतिकी विज्ञान के क्षेत्र में पीएचडी स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन करने पर सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्रदान किया गया है।

फसल अवशेष जलाने से निकलती हैं जहरीली गैसों भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रीटा दहिया ने बताया कि वर्तमान में फसल अवशेष जलाने से मुख्यतः मिथेन, कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड आदि जैसी हानिकारक गैसें निकलती हैं, जोकि वायु प्रदूषण के साथ-साथ ग्लोबल वॉर्मिंग, मानव स्वास्थ्य सहित पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। उन्होंने बताया वर्तमान समय में कृषि के क्षेत्र में इन हानिकारक गैसों की मात्रा मापने के पर्याप्त यंत्र उपलब्ध नहीं हैं, जोकि चिंता का विषय है।

गैस सेंसर से मापी जाएगी हानिकारक गैसों सहायक प्राध्यापक डॉ. विनय कुमार ने बताया कि परियोजना के तहत बनाए जाने वाले गैस सेंसर की मदद से हानिकारक गैसों को मापा जा सकेगा ताकि स्वास्थ्य व पर्यावरण संबंधित चुनौतियों का इल निकाला जा सकेगा।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

पांच बजे न्यूज

10.05.2023

### विश्वविद्यालय के भौतिकी विज्ञान विभाग की शोध छात्रा ममता बुल्ला को भौतिकी विषय में बेहतरीन प्रदर्शन करने पर मिला सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार एचएयू को गैस सेंसर बनाने को लेकर अनुसंधान परियोजना की मिली स्वीकृति

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग में कार्यरत सहायक प्राध्यापक डॉ. विनय कुमार को 20वीं नैनो पदार्थ संबंधित सेंसर को लेकर एक अनुसंधान परियोजना की स्वीकृति मिली है। विश्व के अंतर विश्वविद्यालय विवरण केंद्र आईएयूसी द्वारा यह स्वीकृति दी गई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काश्यप ने बताया कि परियोजना के तहत बनाए जाने वाले गैस सेंसर को मदद से कृषि के क्षेत्र से उपन्न विभिन्न हानिकारक गैसें मिथेन, कार्बन-डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड आदि को मापने एवं पर्यावरण संरक्षण को निरंतर निगरानी के लिए प्रयोग किया जा सकेगा।

उन्होंने बताया कि भौतिकी विभाग की शोध छात्रा ममता बुल्ला को भौतिकी विज्ञान



के क्षेत्र में पीएचडी स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन करने पर सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार राजस्थान के पिलानी

शहर में बी.के. बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी संस्थान में दो दिवसीय शील्ड एडवांसमेंट इन मैथमेटिकल

छात्रा ममता बुल्ला को बधाई दी। इसके अलावा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार

एंड अल्ताइड स 1 इ स आरएएमएएस-2023 विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में दिया गया। इन दोनों उपलब्धियों पर कुलपति ने भौतिकी विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रोटा दहिवा, स ह । य क प्राध्यापक विनय कुमार व शोध

ने सभी का शौसला अफजाई की। भौतिकी विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रोटा दहिवा ने बताया कि वर्तमान में फसल अवशेष जलने से मुख्यतः मिथेन, कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड आदि जैसी हानिकारक गैसें निकलती हैं, जोकि वायु प्रदूषण के साथ-साथ ग्लोबल वार्मिंग, मानव स्वास्थ्य सहित पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। उन्होंने बताया वर्तमान समय में कृषि के क्षेत्र में इन हानिकारक गैसों को मात्रा मापने के पर्याप्त यंत्र उपलब्ध नहीं हैं, जोकि विश्व का विषय है।

सहायक प्राध्यापक डॉ. विनय कुमार ने बताया कि परियोजना के तहत बनाए जाने वाले गैस सेंसर को मदद से हानिकारक गैसों को मापा जा सकेगा ताकि स्वास्थ्य व पर्यावरण संबंधित चुनौतियों का हल निकाला जा सकेगा।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हांसी क्रांति न्यूज	10.05.2023		

# एचएयू को दिल्ली के आई.यू.ए.सी द्वारा गैस सेंसर बनाने को लेकर अनुसंधान परियोजना की मिली स्वीकृति

### हांसी क्रांति न्यूज

हिसार, : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग में कार्यरत सहायक प्राध्यापक डॉ. विनय कुमार को 2डी नैनो पदार्थ संबंधित सेंसर को लेकर एक अनुसंधान परियोजना की स्वीकृति मिली है। दिल्ली के अंतर विश्वविद्यालय विवरण केंद्र आईयूएसी द्वारा यह स्वीकृति दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि परियोजना के तहत बनाए जाने वाले गैस सेंसर की मदद से कृषि के क्षेत्र से उत्पन्न विभिन्न हानिकारक गैसें मिथेन, कार्बन-डाइक्साइड, कार्बन मोनोक्साइड आदि को मापने एवं पर्यावरण संरक्षण की निरंतर निगरानी के लिए प्रयोग किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि भौतिकी विभाग की शोध छात्रा ममता बुल्ला को भौतिकी विज्ञान के क्षेत्र में पीएचडी स्तर पर बेहतर निदर्शन करने पर सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार राजस्थान के पिलानी शहर में बी.के. बिड़ला



इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी संस्थान में दो दिवसीय रीसेंट एडवांसमेंट इन मैथमेटिकल एंड अलाइड साइंस आरएएमएएस-2023 विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में दिया गया। इन दोनों उपलब्धियों पर कुलपति ने भौतिकी विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रीटा दहिया, सहायक प्राध्यापक विनय कुमार व शोध छात्रा ममता बुल्ला को बधाई दी। इसके अलावा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने सभी का हौसला आफजाई की। भौतिकी विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रीटा दहिया ने बताया कि वर्तमान में फसल अवशेष जलाने से

मुख्यतः मिथेन, कार्बन डाइक्साइड, कार्बन मोनोक्साइड आदि जैसी हानिकारक गैसों निकलती है, जोकि वायु प्रदूषण के साथ-साथ ग्लोबल वॉर्मिंग, मानव स्वास्थ्य सहित पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। उन्होंने बताया वर्तमान समय में कृषि के क्षेत्र में इन हानिकारक गैसों की मात्रा मापने के पर्याप्त यंत्र उपलब्ध नहीं है, जोकि चिंता का विषय है।

सहायक प्राध्यापक डॉ. विनय कुमार ने बताया कि परियोजना के तहत बनाए जाने वाले गैस सेंसर की मदद से हानिकारक गैसों को मापा जा सकेगा ताकि स्वास्थ्य व पर्यावरण संबंधित चुनौतियों का हल निकाला जा सकेगा।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी प्लस न्यूज	10.05.2023		

# हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को गैस सेंसर बनाने को लेकर अनुसंधान परियोजना की मिली स्वीकृति

दिल्ली के अंतर विश्वविद्यालय विवरण केंद्र आईयूएसी ने यह स्वीकृति दी

सिटी प्लस न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग में कार्यरत सहायक प्राध्यापक डॉ. विनय कुमार को 2डी नैनो पदार्थ संबंधित सेंसर को लेकर एक अनुसंधान परियोजना की स्वीकृति मिली है। दिल्ली के अंतर विश्वविद्यालय विवरण केंद्र आईयूएसी द्वारा यह स्वीकृति दी गई है।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि परियोजना के तहत बनाए जाने वाले गैस सेंसर की मदद से कृषि के क्षेत्र से उत्पन्न विभिन्न



हानिकारक गैसें मिथेन, कार्बन-डाइक्साइड, कार्बन मोनोक्साइड

आदि को मापने एवं पर्यावरण संरक्षण की निरंतर निगरानी के लिए प्रयोग

किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि भौतिकी विभाग की शोध छात्रा ममता बुल्ला को भौतिकी विज्ञान के क्षेत्र में पीएचडी स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन करने पर सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार राजस्थान के पिलानी शहर में बी.के. बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी संस्थान में दो दिवसीय रीसेंट एडवांसमेंट इन मैथमेटिकल एंड अलाइड साइंस आरएमएस-2023 विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में दिया गया।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिनांक 21/5/23	11.5.23	4	1-5

# बरसात में फसल को खराब होने से बचाती है मचान विधि, दवा छिड़कने में भी होती आसानी मचान विधि से बेल की सब्जियों से कमाएं अधिक मुनाफा, फसल के नीचे धनिया उगाकर ले सकते हैं अतिरिक्त आय

महबूब अली/राकेश कुमार | हिंसार/  
गढ़ी बीरबल(करनाल)

मचान विधि से बेल की सब्जियां लगाकर 30-35 प्रतिशत तक अधिक उपज ले सकते हैं। मचान विधि से करेला, लौकी, खीरा, सेम, तोरी जैसी फसलों की खेती की जा सकती है। इसमें बांस या तार पर सब्जियों की बेल चढ़ा देते हैं। 90 प्रतिशत तक सब्जियां खराब नहीं होती। बरसात के मौसम में मचान विधि फसल को खराब नहीं होने देती। मचान के नीचे धनिया उगाकर अतिरिक्त आय ले सकते हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि मचान के माध्यम से फसल पर दवा छिड़कने में आसानी होती है। एमएचयू करनाल के सब्जी विज्ञानी सलाहकार प्रोफेसर डॉ. सुरेश कुमार अरोड़ा ने बताया कि फिलहाल बिजाई का समय उपयुक्त है।

### मचान बनाने की विधि

सब्जी विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. टीपी मलिक ने बताया कि जिस तरह से बेल वाली सब्जियों के लिए नाली बनाई जाती है उसी तरीके से बीज बुवान होता है। नालियों के मध्य बेल फेलने वाली जगह पर मचान बनाते हैं। बेलें फैलाने के लिए लकड़ी गाड़कर तार जाल बना दिया जाता है।

### ऐसे करें खेत की तैयारी

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि खेत की तैयारी के लिए सबसे पहले गहरी जुताई कर खेत को समतल बना लें। इसके बाद लगभग 3 फीट की दूरी पर पौधे लगाएं। जब पौधे 3 से 4 फीट के हो जाएं, तब मचान पर इन पौधों को चढ़ा दें।



एचएयू में मचान विधि से उगाई सब्जियां।



सब्जियों के लिए खेत में बनाई गई बांसों की मचान।

■ **बांसों का करें प्रयोग:** अच्छे उत्पादन के लिए बांसों को 1 एकड़ में 600 की संख्या के हिसाब से गड़दों में गाड़कर उनके ऊपर रस्सी से जाल/ मचान बनाकर सब्जियों की बेलों को उसके ऊपर चढ़ा दें ऐसा करने से मधुमक्खी द्वारा फूलों की परागण की क्रिया में तेजी आती है।

■ **नायलॉन के धागे का इस्तेमाल:** करेले की अच्छी फसल के लिए नायलॉन के धागे का जाल पौधों को ऊपर चढ़ाने में काफी सहायक होता है। ऐसे प्रयोग से करेले की बेल के मध्य से ताजी हवा, सूर्य का प्रकाश, नमी/आर्द्रता व बेलों के आसपास का तापमान (एम्बियन्ट क्लाइमेट) उनके अनुकूल बना रहता है।

■ **शंकर प्रजातियों का चयन जरूरी:** बांस विधि से इन सब्जियों की अधिकतम फसल लेने के लिए कुछ शंकर प्रजातियां बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। उदाहरण के तौर पर लंबी घीया की वरुणा, माही वर्ध, नवीन, चेतन, विनायक, बलवंत, गंगा, अनमोल और विश्वास आदि महत्वपूर्ण हैं।